VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)/GENERAL STUDIES (Paper-I) (2422)

निर्धारित समय: **तीन घंटे** | अधिकतम अंक: **250**
Time Allowed: ***Three Hours*** | *Maximum Marks:* ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 55+1 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 55+1 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0801934

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Manisha Dhawe

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख
Date
26/08/2023

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)
GENERAL STUDIES (Paper I)

केंद्र
Centre Bhai Joga Singh School

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISION IAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	**Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use

परीक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Examiner(s)

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1			11		
2			12		
3			13		
4			14		
5			15		
6			16		
7			17		
8			18		
9			19		
10			20		
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)/GENERAL STUDIES (Paper-I) (2422)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*कुल **बीस** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 से 10 तक का उत्तर 150 शब्दों में तथा प्रश्न संख्या 11 से 20 तक का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Answers to Questions No. 1 to 10 should be in 150 words, whereas answers to Questions No. 11 to 20 should be in 250 words.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. भारत के पारंपरिक रंगमंच के रूप समाज के आदर्शों और भावनाओं तथा समुदाय में एक व्यक्ति की भूमिका को दर्शाते हैं। उदाहरण सहित विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The traditional theatre forms of India reflect the ideals and emotions of the society, and an individual's role in the community. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय समाज के आदर्शों व भावनाओं को दर्शाने में नृत्य, कला, चित्रकारी इत्यादि की तरह पारंपरिक रंगमंच ने भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है।

समाज के आदर्शों व भावनाओं को दर्शाने में-

(i) धार्मिक भावनाएँ → पारंपरिक रंगमंचों में रामायण, महाभारत, पट्टिपाट्ट, इत्यादि रचनाओं का रंगमंचन किया जाता था

उदा० - रामलीला मंचन

(2) स्थानीय संस्कृति को महत्व → इनमें समाज के आंतरिक मूल्यों, आदर्शों जैसे - भाईचारा, सौहार्द, सहिष्णुता का दर्शन

उदा० - यक्षगान रंगमंच

(3) देशज लोगों की परंपराओं का दर्शन भी मिलता है जिसमें पारंपरिक मूल्य, वेशभूषा, रहन, सहन देखने को मिलता

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उदा० - छउ नृत्य का मंचन

समुदाय में एक व्यक्ति की भूमिका को दर्शाना

1. आदर्श चरित्र का चरित्र किया जाना

उदा० - रामायण के पात्र राम आदर्श राजा, पुत्र, भाई, पति के रूप में।

2. पारिवारिक व दाम्पत्य जीवन के प्रति भूमिका

उदा० - मणिमेखले का मंचन

3. धार्मिक दायित्वों के निर्वहन करना

उदा० कुडियट्टम का मंचन

पारंपरिक रंगमंचों ने भारतीय समाज व संस्कृति के रंगों को वर्तमान पीढ़ियों तक के लिए विरासत में बरकरार रखा हुआ जिसे भारतीय नाट्य कला विद्यालय, संस्कृति मंत्रालय व UNESCO द्वारा भी प्रोत्साहित व संरक्षित किया जा रहा।

2. सांची स्तूप के ऐतिहासिक और स्थापत्य कला संबंधी महत्व का विवरण दीजिए। साथ ही, चर्चा कीजिए कि इसने भारत में भविष्य की स्थापत्य कला को किस प्रकार प्रेरित किया है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Provide an account of the historical and architectural importance of the Sanchi Stupa. Also, discuss how it inspired the future architecture in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सांची स्तूप का निर्माण मौर्य साम्राज्य के शासक अशोक द्वारा करवाया गया था, जिसे UNESCO के वर्ल्ड हेरिटेज साइट का दर्जा भी प्राप्त है।

ऐतिहासिक महत्व

(i) शासक व शासन व्यवस्था के बारे में जानकारी का स्रोत

उदा० - अशोक का शासन व पुष्यमित्र शुंग के बारे में

(2) व्यापार व्यवस्था व श्रेणियों की जानकारी

उदा० - सूतीवस्त्र व रेशम वस्त्र के व्यापारियों के बारे में।

(3) धार्मिक मान्यताओं के बारे में

उदा० - बौद्ध धर्म व शिक्षाओं के होने के साक्ष्य

स्थापत्य कला संबंधी महत्व

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(1) तोरण निर्माण [उदा.] - सांची का तोरण विश्व प्रसिद्ध
(2) मेधी, हर्मिका इत्यादि निर्माण में ज्यामितीय प्रयोग
(3) स्तूप के निर्माण में लकड़ी, ईंट का प्रयोग
(4) नक्काशी व चित्रकला का प्रयोग
[उदा.] - तोरण पर चक्र निर्माण जो बौद्ध आदर्शों में से एक

भविष्य की स्थापत्य कला की प्रेरणा

(1) पारंपरिक तत्वों व स्थानीय सामग्री का प्रयोग निर्माण के कार्य में करना
(2) भारतीय मूल्यों, आदर्शों सिद्धांतों को स्थापत्य कला में शामिल करना
(3) भौगोलिक स्थिति चयन व व्यापार मार्ग अर्थात् परिवहन से जुड़ा होना
(4) पर्यावरण के अनुकूल स्थापत्य निर्माण

सांची स्तूप ~~बौद्ध~~ बुद्ध, धम्म, संघ के प्रतीक के साथ ही भारतीय समाज व संस्कृति की ~~मूल्य~~ अमूल्य विरासत का प्रतिनिधित्व करता जिसका संरक्षण मौलिक कर्तव्य है।

3. भगत सिंह ने क्रांतिकारी विचारधारा, क्रांति के लक्ष्यों और क्रांतिकारी संघर्ष के रूपों के संदर्भ में एक वास्तविक दृष्टिकोण प्रदान किया है। स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Bhagat Singh made a real breakthrough in terms of revolutionary ideology, the goals of revolution and forms of revolutionary struggle. Elucidate. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारी विचारधारा के प्रतिनिधि चरित्र के रूप में विख्यात है।

क्रांतिकारी विचारधारा के प्रति दृष्टिकोण

(i) वास्तविक सामाजिक समानता की स्थापना करना जिसमें आर्थिक-सामाजिक विषमता नहीं हो

[उदा.] जेल से भी लिखे पत्रों में उल्लेख।

(2) धर्म के प्रति उदासीन दृष्टिकोण जिसे जीवन को ईश्वर के ऊपर न छोड़ स्वयं परिवर्तन के प्रतिनिधि बनना

[उदा.] 'मैं नास्तिक क्यों' नामक आत्मकथा(?) में उल्लेख

क्रांति के लक्ष्यों और क्रांतिकारी संघर्ष के रूप :— (i) ब्रिटिश शासन को सशस्त्र विद्रोह द्वारा बाहर खदेड़ना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उदा. HSRA का घोषणापत्र

(2) लोगों को क्रांतिकारी सेनानियों के कृत्यों की सजा न दिलाना व स्वयं जिम्मेदारी लेना

उदा. - विधानसभा में ~~बम~~ बम विस्फोट के बाद गिरफ्तारी देना

(3) मार्क्सवाद व समाजवाद की स्थापना करना किंतु उनका भारतीय संस्करण हो।

भगत सिंह की विचारधारा व्यक्ति की वास्तविक समता को महत्व देकर सामाजिक-आर्थिक न्याय की स्थापना करने की थी जिसकी प्रासंगिकता आजादी के अमृतकाल में भी अंतिम व्यक्ति तक न्याय की प्रणाली पहुँच हेतु बनी हुई।

4. मेजी पुनर्स्थापना के कारणों को उजागर करते हुए, जापान के लिए इसके महत्व की विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Bringing out the factors that led to the Meiji restoration, discuss its significance for Japan. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मेजी पुनर्स्थापना 19 शताब्दी के अंतिम दशकों की घटना है जिसमें शासन व शासकों ने जनकल्याण व जापान की औद्योगिक क्रांति हेतु कार्य किया।

मेजी पुनर्स्थापना के कारण

① पश्चिमी देशों अर्थात् इंग्लैंड, फ्रांस व जर्मनी में औद्योगिक क्रांति जिससे विचारों का प्रसार हुआ।

② पारंपरिक जापान की चीन के साथ लगातार संघर्ष व विवादों के कारण राष्ट्रवादी भावना का प्रसार।

③ जापान द्वारा रूस की विजय ने भी मेजी पुनर्स्थापना में योगदान दिया।

④ जापानियों में सामाजिक तत्वों जैसे - अनुशासन, समयबद्धता इत्यादि का

योगदान।

(5) जापान में औद्योगिक क्रांति के ~~मुख्य~~ कारण

जापान के लिए महत्व

(1) अलग-थलग पड़े जापान को विश्व पटल पर एक मजबूत छवि का निर्माण हुआ।

(2) केंद्रीकृत शासन ने औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया।

(3) राष्ट्रवाद का प्रसार हुआ

(4) जापान को प्रशांत क्षेत्र में एक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

जापान की वर्तमान विकसित अर्थव्यवस्था व शासन की जड़ें मेजी पुन स्थापना से जुड़ी हुयी है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. यह माना जाता है कि एक राष्ट्र वस्तुत: एक "कल्पित समुदाय" होता है जो साझा विश्वास, इतिहास, राजनीतिक आकांक्षाओं आदि द्वारा संगठित होता है। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि एक राष्ट्र के रूप में भारत का आधार क्या है। साथ ही, भारतीय राष्ट्रत्व की अवधारणा के समक्ष विद्यमान खतरों को भी उजागर कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

It is believed that a nation is an "imagined community" held together by common beliefs, history, political aspirations etc. In this context, discuss what the basis of India as a nation is. Also, bring out the threats to the concept of Indian nationhood. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

राष्ट्र की अवधारणा एक कल्पित समुदाय से जुड़ी है जिसमें लोगों के बीच साझा (विश्वास, इतिहास, राजनीतिक आकांक्षाओं, संस्कृति इत्यादि द्वारा संगठित होता है)

~~भारतीय~~
भारत के राष्ट्र के रूप में संगठित होने के आधार:-

(i) संस्कृति → भारतीय संस्कृति व सभ्यता का विकास हड़प्पा सभ्यता, वैदिक सभ्यता, संगम युग, अशोक साम्राज्य से जुड़े हुए समान आधार का एकीकरण करता।

(2) धर्म → बौद्ध, जैन, इस्लाम, हिंदु, सिख इत्यादि की जड़े अहिंसा, सहिष्णुता बंधुत्व, प्रेम पर टीकी हुई जो लोगों को जोड़ती है।

(3) भाषा के रूप में संस्कृत भारतीय वर्तमान भाषायी परिवारों की जननी रही जिसके शब्दों में वर्तमान में समानता दृष्टिगत होती।

(4) भौगोलिक अवस्थिति → उत्तर में हिमालय, दक्षिण में हिन्द महासागर ने इसे एक भौगोलिक इकाई में जोड़े रखा।

भारतीय राष्ट्रवाद का खतरे

(1) क्षेत्रवाद की धारणा ने उप-राष्ट्रीय निष्ठाओं को बढ़ाने का कार्य किया
[उदा०] - बोडोलैंड, नागालैण्ड

(2) भाषायी विवाद → हिन्दी भाषा के प्रति थोपे जाने ने राज्यों व लोगों के बीच संघर्ष को जन्म दिया।

(3) धर्म → धार्मिक अतिरेक लोगों में इस्लामिक फोबिया, हिन्दू राष्ट्रवाद जैसी भावनाओं को बढ़ा रहा।

भारतीय राष्ट्रवाद की धारणा इसकी संस्कृति, समाज के साथ ही संविधान के गहरे आदर्शों से जुड़ी हुयी जो अमृतकाल में विकसित भारत का साकार करने हेतु प्रासंगिक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. भारत में फार्मास्युटिकल उद्योग के विकास के प्रमुख कारकों का उल्लेख कीजिए। साथ ही, भारत की अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक स्वास्थ्य के संबंध में इसके महत्व पर भी चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

State the key factors behind the growth of the pharmaceutical industry in India. Additionally, discuss its significance with regard to India's economy and public health.(Answer in 150words)10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

फार्मास्युटिकल उद्योग वर्तमान में 20.2% CAGR की गति से वृद्धि कर रहा तथा भारत फार्मास्युटिक की वैश्विक राजधानी बन चुका है

(विकास के प्रमुख कारण)

(i) Covid-19 महामारी के कारण बाजार का व्यापक आधार तैयार हुआ → निर्यात मांग
↳ टीका
↳ दवाओं

(2) विश्वस्तरीय डॉक्टरों व वैज्ञानिकों के कारण दवाओं की के शोध व विकास की गुणवत्ता अच्छी

(3) लागत कम होने से उत्पादन अधिक संभव

अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

(i) राजस्व का सृजन
(ii) रोजगार का सृजन → औपचारिक क्षेत्र में।
(iii) कौशल विकास में वृद्धि
(iv) निर्यात व अंतर्राष्ट्रीय बाजार बढ़ा
(v) फॉरेन रिजर्व व आंतरिक प्रेषण में वृद्धि
(vi) भुगतान संतुलन में योगदान
(vii) आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनने की राह आसान
(viii) अन्य क्षेत्रों के लिए प्रेरणा का कार्य।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

7. चर्चा कीजिए कि अरब सागर की तुलना में बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के प्रति अधिक प्रवण क्यों है। साथ ही, दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की घटना में आने वाली कमी के कारणों की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss why the Bay of Bengal is more prone to cyclones than the Arabian Sea. Also, explain the reasons for the decrease in frequency of tropical cyclones during the Southwest monsoon season. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

चक्रवात निम्न वायुदाब के क्षेत्र होते हैं जिनमें हवाएं परिधि से केंद्र की ओर चक्रीय रूप में प्रवेश करती हैं।

बंगाल की खाड़ी की अधिक प्रवणता के कारण :—

(i) समुद्री सतह का तापमान अधिक अतः अधिक संख्या में चक्रवात निर्माण

(ii) प्रशांत सागर के पश्चिमी हिस्से के टाइफून बंगाल की खाड़ी में चक्रवात को प्रेरित करते।

(iii) भौगोलिक सतह कम अतः व्यापक निर्माण क्षेत्र उपलब्ध

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कमी के कारण

(i) समुद्री सतह व स्थलीय सतह के तापान्तर में कमी अतः निम्न दाब क्षेत्र का निर्माण कम होना।

(ii) जबकि मानसून की अनिश्चितता बढ़ी जिसने चक्रवात निर्माण को प्रभावित किया।

(iii) अल-नीनो के प्रभाव ने इन्हें कम किया।

चक्रवात की वर्तमान वृद्धि व विकास ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन से प्रेरित है अतः IMO व WMO को वैश्विक निगरानी तंत्रों व चेतावनी तंत्र को सक्रिय रखना चाहिए।

8. प्रकृति में विनाशकारी होने के बावजूद, ज्वालामुखी पृथ्वी पर मानव जीवन के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Despite being destructive in nature, volcanoes are critical for the existence of human life on earth. Elucidate. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ज्वालामुखी पृथ्वी के लिथोस्फेयर से ~~मग्मा के~~ मैग्मा के लावा के रूपमें पृथ्वी ~~के~~ की सतह पर प्रस्फुटन से है।

प्रकृति में (विनाशकारी)

(1) जैव-विविधता की हानि
(2) भूकंप को प्रेरित करते
(3) स्थलीय भू-आकृतियों का विनाश
(4) जान-माल का नुकसान
(5) जलवायु उत्सर्जन व अम्ल वर्षा को बढ़ावा देते।
(6) स्थानीय पर्यावरण को नष्ट करते
[उदा.] इंडोनेशिया के ज्वालामुखी विस्फोट

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मानव जीवन के अस्तित्व हेतु महत्वपूर्ण :-

(i) पृथ्वी के आंतरिक तापन को संतुलित करते जिससे जीवन को कम नुकसान उठाना पड़ता।

(2) जलवायु शीतलन का कार्य करता।

(3) मृदा निर्माण व नए जैव-प्रारूप विकास का कार्य

(4) नई स्थलीय सतहों का निर्माण।

ज्वालामुखी का प्रभाव नकारात्मक व सकारात्मक दोनों रूपों में है अतः वैज्ञानिक हस्तक्षेप व जागरूकता आवश्यक है।

9. क्षेत्रवाद के पक्ष में तर्क प्रस्तुत करने में सापेक्ष अभाव एक महत्वपूर्ण पहलू है। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
The existence of relative deprivation is an important aspect in constructing the argument for regionalism. Explain with examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

क्षेत्रवाद, क्षेत्र विशिष्ट के प्रति निष्ठा की धारणा है जो राष्ट्रीय हितों पर क्षेत्रीय हितों को प्राथमिकता देता है।

सापेक्ष अभाव महत्वपूर्ण पहलू

1. अल्पविकास
2. गरीबी, वंचन
   उदा. बुंदेलखंड
3. सूखा, कृषि की निम्न स्थिति
   उदा. विदर्भ क्षेत्र
4. धर्म, भाषा के आधार पर वंचन
   उदा. पूर्वोत्तर क्षेत्र।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रयास

(1) क्षेत्र का समावेशी विकास

(2) जागरूकता

(3) समावेशी विकास

10. यदि भारत को 'सबके लिए शिक्षा' के लक्ष्य को हासिल करना है तो छेड़छाड़ और स्कूली हिंसा के अन्य रूपों के बढ़ते मामलों की समस्याओं से तत्काल निपटने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
If India is to realise the goal of 'education for all', the issue of rising cases of bullying and other forms of school violence needs to be addressed immediately. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय संविधान का अनुच्छेद -21A निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान करता है तथा वर्तमान में भारत जनसांख्यिकीय लाभांश की स्थिति में है अतः सबके लिए शिक्षा अनिवार्यतः प्रासंगिक है।

छेड़छाड़ और स्कूली हिंसा के बढ़ते अन्य रूपों के बढ़ते मामले :-

(i) लिंग तटस्थ छेड़छाड़ व यौन उत्पीड़न की घटना जो 0-18 आयु वर्ग के बीच यौन शोषण के रूप में बढ़ी

[उदा॰] - POCSO अधिनियम के मामले की दर में वृद्धि (NCRB रिपोर्ट)

(ii) स्कूली कर्मचारियों व शिक्षकों तथा, विद्यार्थियों द्वारा जातिवादी व सांप्रदायिक हिंसा के शिकार लोग

[उदा॰] - राजस्थान में दलित विद्यार्थी (8th कक्षा) की पिटाई द्वारा हत्या।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(iii) विशेषकर लड़कियों व अन्य कमजोर वर्गों का शोषण व शिकार

[उदा॰] - दिल्ली में स्कूली छात्रा का यौन शोषण का मामला।

(iv) रैगिंग व अन्य रूप - नए विद्यार्थियों के प्रति सीनियर द्वारा शोषण व हत्या

[उदा॰] - जादवपुर विश्वविद्यालय मामला

कदम जो उठाए जाने आवश्यक

(i) POCSO अधिनियम के तहत मामलों की जिरो FIR को बढ़ावा देना तथा वर्मा समिति की सिफारिशों को शामिल करना

(ii) शिक्षा में लैंगिक संवेदनशीलता व साक्षरता को शामिल करना

(iii) POSH अधिनियम, 2013 के तहत मामलों की तीव्र सुनवायी व जागरूकता।

(iv) शिक्षा पर व्यय GDP का 6% करना जिससे अवसंरचना बेहतर व लैंगिक संवेदनशील

भारत ने SDG-4 के तहत ~~शिक्षा~~ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की हुयी है।

11. पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को आकार देने में अहोम साम्राज्य द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डालिए तथा समकालीन समय में इसकी विरासत पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Bring out the role played by the Ahom Kingdom in shaping the cultural and historical identity of North-East India, and discuss its legacy in contemporary times. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अहोम साम्राज्य का शासन पूर्वोत्तर के क्षेत्र (विशेषकर असम व संबद्ध क्षेत्रों) में 13-18 वीं शताब्दी तक प्रचलित रहा।

पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक पहचान को आकार देना :-

(i) स्थानीय संस्कृति को एक संस्कृति अर्थात अहोम संस्कृति में शामिल किया जिससे संस्कृति का केंद्रीकरण व एकीकरण

[उदा०]- असमिया संस्कृति में बोडो, कछारी, माजुली द्वीपों की संस्कृति का एकीकरण।

(२) धर्म का एक केंद्रीकृत रूप -> वैष्णव संस्कृति का प्रसार हुआ जिससे छोटे-छोटे व खंडित विश्वासों को एक आवाज मिली।

[उदा.]- शंकरदेव द्वारा वैष्णव धर्म का प्रसार

(3) भउना जैसे नृत्य रूप व नाटक में स्थानीय नृत्य, संगीत के तत्वों को शामिल करते हुए सहिष्णुता व बंधुत्व को बढ़ावा दिया।

(4) भाषा के स्तर पर असमिया भाषा का निर्माण जिससे हिन्द-चीनी व तिब्बती भाषा परिवार की अलग-अलग भाषाओं के बजाय एक भाषा से लोगों को जोड़ा।

ऐतिहासिक पहचान देने के आकार देने में

(i) केंद्रीकृत शासन ने छोटे व स्थानीय शासकों की बजाय एक शासक की धारा स्थापित की

उदा० - कछारी शासकों ने अहोम राजा को अपना शासक माना

(2) मुगल साम्राज्य को सराईघाट की लड़ाई में पराजित कर इतिहास स्थापित किया तथा सीमाओं का स्पष्टीकरण किया

उदा० - लचित बोरफुकन।

(3) शासन व्यवस्था में केंद्रीकरण की प्रवृति ने सामंतवाद को कम किया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

तथा हिमालय व ब्रह्मपुत्र नदी द्वारा भौगोलिक सीमाओं का निर्माण।

समकालीन समय में विरासत

(i) एक संस्कृति, भाषा, समाज का निर्माण छोटी-छोटी इकाइयों से करना संभव है (स्थानीय इकाइयों को स्वायत्ता प्रदान करना)

(२) पर्यावरण के अनुकूल स्थापत्य निर्माण

(३) स्थापत्य निर्माण में स्थानीय सामग्री व तत्वों का प्रयोग

[उदा० - अहोम साम्राज्य के पिरामिड]

अहोम साम्राज्य के केंद्रीकरण ने इसे लगभग 6 शताब्दियों तक जीवंत रखा तथा वर्तमान असमिया संस्कृति में इनकी विरासत प्रकट होती है जिनका संरक्षण संविधान के मौलिक कर्तव्यों व नीति निदेशक तत्वों के अनुकूल है।

12. 1940 के दशक तक पूंजीपति वर्ग भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को समर्थन देने के विषय में सामान्यतः दुविधा में रहा है। इस संदर्भ में, संपूर्ण राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान भारतीय पूंजीपतियों की अलग-अलग स्थितियों का विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The capitalist class generally remained ambivalent in their support to the Indian National Congress until 1940s. In this context, analyse the varying positions of the Indian capitalists throughout the national movement. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान पूंजीपति वर्ग की भूमिका अत्यंत अनिश्चित रूप में रही जिसे लेकर आलोचकों में मतभेद है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को समर्थन देने में दुविधा की स्थिति :–

(1) ब्रिटिश नाराजगी का कारण बनना या देशभक्ति को लेकर खड़े होना

(2) व्यापार करना अथवा आंदोलन करना [उदा०] – असहयोग आंदोलन

(3) रूढ़िवादी मान्यताओं के साथ चलना अथवा आधुनिक विचारों को अपनाना

(4) आयात करना अथवा वस्तुओं व सेवा का निर्यात करना।

[उदा०] – प्रथम विश्व युद्ध के दौरान

उम्मीदवारों को, इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

संपूर्ण राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान भारतीय पूँजीपति की स्थिति:-

(i) 1885-1905 तक भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का समर्थन क्योंकि पत्र-प्रार्थना, आवेदन द्वारा ब्रिटिश सरकार को आर्थिक सुधार का निवेदन किया गया।

(2) स्वदेशी आंदोलन के दौरान स्वदेशी वस्तुओं व सेवाओं की मांग बढ़ी क्योंकि ब्रिटिश वस्तुओं का बहिष्कार किया

उदा० - बंगाल में ब्रिटिश वस्तुएँ जलाना

(3) स्वदेशी उद्योगों व कंपनियों की स्थापना द्वारा आर्थिक राष्ट्रवाद का प्रतिनिधित्व

उदा० - बंगाल में आचार्य प्रफुल्लचंद्र द्वारा बंगाल कैमिकल की स्थापना

• चितरंजन दास द्वारा स्टीम नेविगेशन कंपनी की स्थापना।

(4) असहयोग आंदोलन के दौरान आरंभिक समय में सहयोग किंतु अंत में ब्रिटिश

सरकार का पक्ष लिया।

(5) क्रांतिकारी विचारधारा व समाजवाद के नए विचार के दौरान राष्ट्रीय आंदोलन से दूर होना।

(6) विश्वयुद्धों के दौरान ब्रिटिश सरकार के सहयोगियों के रूप में। उदा० - टाटा आइरन व स्टील संयंत्र से स्थिति

(7) सविनय आंदोलन के दौरान → नमक के मुद्दे पर राष्ट्रीय आंदोलन में वापस जुड़ना।

उदा० - पुरुषोत्तम दास टंडन

प्रथक स्थिति के कारण

(i) व्यापारिक हितों को ध्यान में रखना।

(2) शांतिपूर्ण व कानून-व्यवस्था बनी रहे जिससे व्यापार व उद्योग संचालन बाधित न हो।

(3) ब्रिटिश औद्योगिक क्रांति के लाभों का दोहन करने का प्रयास।

(4) समाजवाद व ट्रेड यूनियन का बढ़ता प्रभाव

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान पूंजीपति वर्ग की भूमिका स्पष्ट नियमों का पालन न कर परिस्थिति अनुरूप परिवर्तित किंतु आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना उनमें मौजूद थी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

13. भारत में प्रेस के उद्भव का परिचय दीजिए। साथ ही, अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के बावजूद भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के विभिन्न चरणों के दौरान इसके महत्वपूर्ण प्रभाव पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Trace the evolution of the press in India. Also, discuss the instrumental impact it had during various stages of the Indian freedom struggle despite the repressive policies of the British. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में प्रेस की भूमिका ऑगस्टस हिक्की के 'बंगाल गजट' के प्रकाशन से ही मानी जा सकती है।

प्रेस का उद्भव

पुर्तगाली कर्मचारियों द्वारा प्रेस की स्थापना की गयी थी जिसमें आरंभिक 16 वीं शताब्दी से साप्ताहिक, मासिक पत्रिकाओं का प्रकाशन आरंभ हुआ था

कारण →
- कर्मचारियों की शिकायत
- प्रिंटिंग प्रेस का उद्भव
- धार्मिक व बाइबिल की मान्यताओं का प्रचार
- यूरोपीय लोगों को भारत के बारे में बताना

आरंभिक पत्र → बंगाल गजट, कलकत्ता टाइम्स, मद्रास समाचार, उदण्ड
उदंत मार्तण्ड

प्रेस की भूमिका स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

(1) कांग्रेस की स्थापना से पूर्व → आर्थिक राष्ट्रवाद, ड्रेन ऑफ वेल्थ जैसी बातों को जनता के सामने ~~खुल~~ उजागर करना।

[उदा.] → दादाभाई नौरोजी के विभिन्न पत्र
→ ~~श्री~~ राजाराममनोहर राय - द्वारा संवाद कौमुदी, इत्यादि ने समाज सुधार का विषय रखा।

(2) कांग्रेस की स्थापना के उदारवादी चरण के दौरान (1885 - 1910) → पत्र, पत्रिकाओं, लेखों द्वारा ब्रिटिश सरकारों व शासकों को भारत में ब्रिटिश जैसी शासन व्यवस्था स्थापित करने को कहना तथा अंग्रेजी शिक्षा व मूल्य के प्रति सकारात्मक दृष्टि

[उदा.] - सुरेन्द्रनाथ बनर्जी 'बंगाली' पत्र

→ राष्ट्रवादी भावनाओं के प्रचार करना
[उदा.] - 'कविवचन सुधा' पत्रिका को डिसलॉयल्टी रूल के तहत (1878) में ~~प्रतिबं~~ प्रतिबंधित किया।

③ उग्रवादी व क्रांतिकारी चरण के दौरान

उदा.) - बाल गंगाधर तिलक का केसरी, 'मराठा' पत्र उग्रवादी भावना को प्रचारित करते।

• दमनकारी नीतियों के कारण रंगून भेजा गया।

④ गांधीवादी चरण के दौरान -
प्रेस का विकेंद्रीकरण बढ़ा तथा स्वतंत्रता आंदोलन के साथ ही समाज सुधार

उदा.) - गांधीजी की हरिजन पत्रिका

प्रभाव

- आमजनमानस तक जानकारी पहुँचना
- ब्रिटिश संसद व ब्रिटेन में भारत की स्थिति को लेकर जागरूकता
- स्वतंत्रता आंदोलन को व्यापक जनआधार मिला
- समाज सुधार कार्य

भारतीय प्रेस ने स्वतंत्रता के दौरान देशहित व कल्याण में इसे दायित्वमूलक रूप में स्वीकार किया जो वर्तमान भारतीय प्रेस के लिए सीख का विषय है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

14. विभिन्न प्रकार के मरूस्थलों के निर्माण के लिए उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालते हुए, उनमें पाई जाने वाली प्रमुख भू-आकृतियों का संक्षिप्त विवरण दीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Highlighting the factors behind the formation of different types of deserts, give a brief account of the major landforms found in them. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मरुस्थल को शुष्क क्षेत्रों के रूप में जाना जाता है जिनमें वार्षिक वर्षा 25 cm से कम होती है।

मरुस्थलों के निर्माण के लिए उत्तरदायी कारक :-

शुष्क मरुस्थल के निर्माण हेतु
(i) औसत वार्षिक वर्षा का कम होना
[उदा०]- अटाकामा मरुस्थल

(2) व्यापारिक पवनों के पश्चिमी भागों में होने से आर्द्रता का प्रसार नहीं

उदा० - थार मरुस्थल

(3) ठण्डी जलधाराओं के पूर्वी किनारे में स्थिति के कारण

उदा० - सहारा मरुस्थल किनारे ठण्डी जलधारा के प्रभाव में

(4) मानवीय कारण → वनों को नष्ट, अनियंत्रित कृषि व चराई, औद्योगिक अपशिष्ट

शीत मरुस्थल निर्माण

(i) वर्षा पवनों का आर्द्रता लेकर न पहुँच पाना उदा० - लद्दाख के ठण्डे मरुस्थल तक दक्षिण-पश्चिम मानसून आर्द्रता ले जाने में असमर्थ।

(2) वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित होना

उदा० - मंगोलिया व गोबी मरुस्थल

प्रमुख भू-आकृतियाँ

(i) बालुकाश्म खंड → पवनों द्वारा बालुओं व रेतों को बारीक रूप में तोड़ दिया जाता।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) बरखान का निर्माण जो पवनों की दिशा के विपरीत रूप में बनते

(3) ज्युजेन → चट्टानों के बीच रेत के फँस जाते है।

(4) बालू के टिब्बों का निर्माण

उदा० थार मरुस्थल में दर्शनीय

(5) शीत मरुस्थल में शुष्क बर्फ के टिब्बे बनते

मरुस्थलों के निर्माण में प्राकृतिक व मानवीय कारणों की भूमिका होती है किन्तु जलवायु परिवर्तन व ग्लोबल वार्मिंग के कारण इनकी दर बढ़ गयी अत: सतत विकास लक्ष्य-13 के तहत धरातल की सुरक्षा प्रासंगिक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

15. पर्वत नाजुक पारिस्थितिक तंत्र हैं जो जलवायु परिवर्तन और अन्य मानवजनित व्यवधानों के प्रतिकूल प्रभाव के प्रति संवेदनशील होते हैं। उदाहरण सहित समझाइए। साथ ही, उनके संधारणीय प्रबंधन के लिए शुरू की गई पहलों को भी रेखांकित कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Mountains are fragile ecosystems vulnerable to the adverse impact of climate change and other anthropogenic interventions. Illustrate with examples. Also, highlight the initiatives taken for their sustainable management. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पर्वत भू-स्थलाकृति का स्वरूप है जिसमें जैविकीय व पादपीय विविधता व पर्यावरणीय अनुकूलता प्रदर्शित होती है।

जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव

(1) हिमनदों, ग्लेशियर इत्यादि पिघल रहे जाते। जल स्रोतों का ह्रास हो रहा।

(है) [उदा॰] IPCC रिपोर्ट ने आर्कटिक के तीव्र गलन को रेखांकित किया।

(2) पर्माफ्रास्ट के पिघलने से मीथेन उत्सर्जन जो ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ा रहा।

(3) ग्लोबल वार्मिंग के कारण पर्वतों में वनाग्नि की घटना बढ़ी

[उदा॰] पूर्वोत्तर हिमालय में वनाग्नि बढ़ी (पर्यावरण मंत्रालय)

(5) जैव विविधता का ह्रास हुआ
[जैसे] जलवायु परिवर्तन के कारण ऑस्ट्रेलिया के ग्रेट बैरियर रीफ में जैव ह्रास
→ हिमालय क्षेत्र में तिब्बती वृक्ष व कश्मीरी स्टैग पर प्रभाव।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मानवजनित व्यवधान के प्रभाव

(i) अनियंत्रित विकास ने पर्वतों को काट डाला [जैसे] अरावली रेंज की 32 पहाड़ियां गायब हो चुकी

(2) भूकंप जैसी गतिविधियां बढ़ी
[उदा०] पश्चिमी भारत में कोयना बांध के कारण भूकंप

(3) जनसंख्या का संकेंद्रण व मानव जनित प्रदूषण
[उदा०] हिमाचल व उत्तराखंड में भूस्खलन व प्रदूषण
→ वनों का ह्रास

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

संधारणीय प्रबंधन हेतु पहल

भारत

(1) जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय मिशन
(2) हिमालय क्षेत्र संरक्षण पर राष्ट्रीय मिशन
(3) पर्वतमाला परियोजना
(4) सिक्योर हिमालय

विश्व स्तर

(i) IPCC की रिपोर्ट में रेखांकित
(2) जलवायु परिवर्तन पर सम्मेलन में प्रयास
(3) टाइगर रेंज कंट्री प्रोग्राम व सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा

अन्य प्रयास

(i) जागरूकता अभियान
(2) पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाना
(3) तकनीकी व वैज्ञानिक हस्तक्षेप

'पर्वत' केवल भू-आकृति न होकर मानव सभ्यता के विकास के अनिवार्य हिस्सा रहे अतः सतत विकास लक्ष्य-13 के अनुरूप संरक्षण आवश्यक है।

16. भारत में रेत संसाधनों के असंधारणीय प्रबंधन के लिए उत्तरदायी कारणों की विवेचना कीजिए। इसके प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए इस संदर्भ में किए गए उपचारात्मक उपायों का वर्णन कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Discuss the reasons behind unsustainable management of sand resources in India. Highlighting its impact, enumerate the remedial measures taken in this context. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

रेत बालू अथवा बारीक कणों से मिल कर बनी संसाधन होते हैं जिनका प्रयोग निर्माण कार्यों में व्यापक रूप में किया जाता है।

असंधारणीय प्रबंधन के लिए उत्तरदायी कारण —

(i) राज्य सूची के रूप में रेत खनन अतः प्रबंधन का दायित्व राज्य पर किंतु प्रबंधन सही नहीं

(ii) जनजातीय क्षेत्रों व पूर्वोत्तर में रेत खनन का अधिकार स्थानीय लोगों के पास अतः असंधारणीयता को बढ़ावा उदा.- PESA Act क्षेत्र व 5वीं व 6वीं अनुसूची क्षेत्र में।

(3) खनन अधिकार में माफियों का राजनेताओं व अधिकारियों से गठजोड़

उदा० – चंबल क्षेत्र में

(4) बोली प्रक्रिया व आवंटन में अपारदर्शिता का होना

प्रभाव

(i) नदियों, तालाबों इत्यादि जलस्रोतों पर

- जल स्रोत रुक जाते
- धारा की दिशा में परिवर्तन
- गाद की समस्या
- नदी तल में परिवर्तन

(2) जैवविविधता व पर्यावरण पर

- स्थानीय जैव व पादप नष्ट
- मछलियों, झींगों, केकड़े की प्रजातियाँ नष्ट
- औषधीय पादपों को नुकसान
- मृत क्षेत्रों का निर्माण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ जल प्रदूषण बढ़ना

(3) स्थानीय लोगों व राज्य पर प्रभाव
→ अपराधों की बढ़ाना
→ संसाधनों का अनियंत्रित दुरुपयोग
→ राजस्व हानि।

उपचारात्मक उपाय

(i) विधायी → (खान व खनिज अधि० 2019 के तहत त्वरित कार्रवाही करना
→ स्थानीय निकायों (पंचायत व नगरपालिका) को अधिकारों का हस्तांतरण

(2) निगरानी तंत्र
→ प्रौद्योगिकी का प्रयोग (उदा) - GPS, रोबोटिक्स, CCTV कैमरे, ड्रोन
→ स्थानीय आसूचना तंत्र

(3) जागरूकता अभियान

जलवायु परिवर्तन ने संसाधनों के संकट को जन्म दिया अतः संधारणीय दोहन अनिवार्य है जिसके लिए प्रयास करने उपर्युक्त होगा।

17. प्रमुख लिथियम उत्पादक देशों का विवरण देते हुए, लिथियम उत्पादन के भू-राजनीतिक पहलुओं और इसके पर्यावरणीय प्रभावों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Giving an account of the major lithium-producing countries, discuss the geo-political aspects of lithium production and its environmental implications. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लिथियम औद्योगिक क्रांति 4.0 के प्रमुख घटक के रूप में उभरा है जिसके व्यापक भू-आर्थिक व भू-रणनीतिक महत्व ने इसे क्रिटिकल मिनरल की श्रेणी में शामिल किया।

प्रमुख लिथियम उत्पादक देश

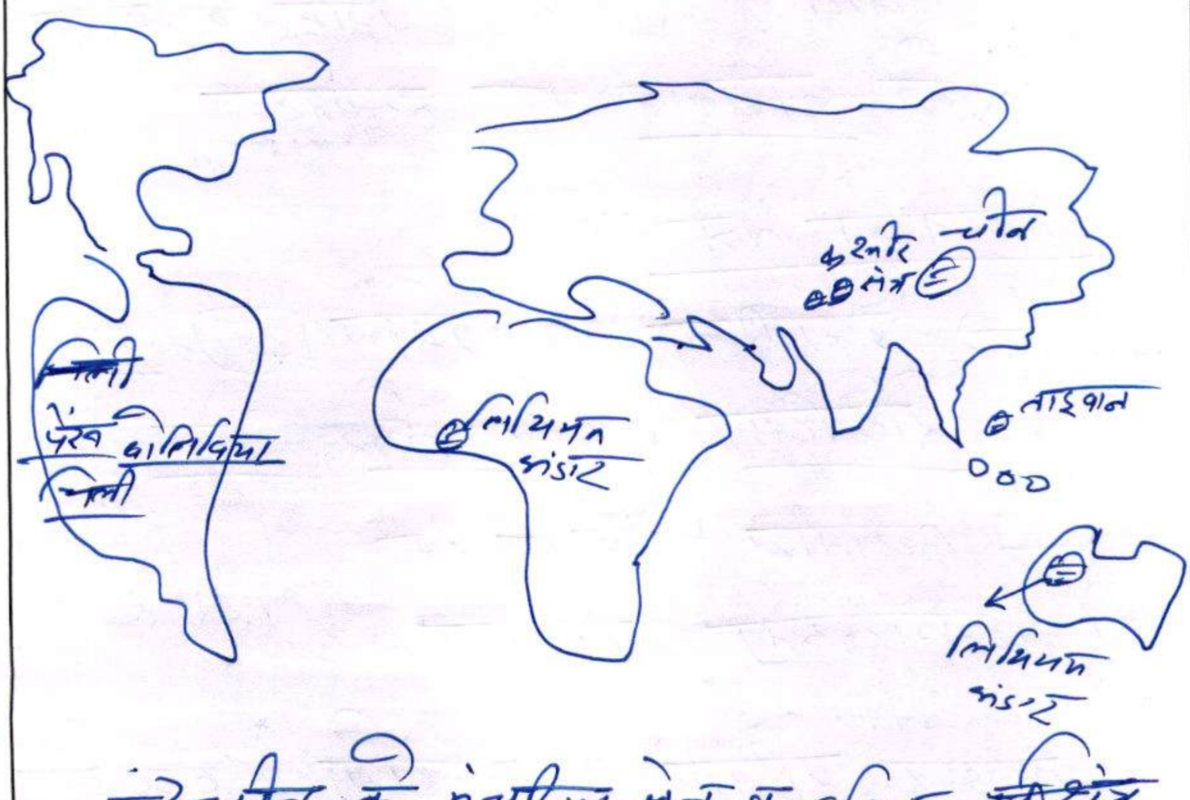

→ चीन के मंचूरिया क्षेत्र व दक्षिण-~~क्षेत्र~~ पश्चिम क्षेत्र

दक्षिण अमेरिका → चिली, बोलिविया व पेरू
(लिथियम त्रिकोण)

भारत → कश्मीर क्षेत्र में भंडार

आस्ट्रेलिया → पश्चिम क्षेत्र

ताइवान → तटीय क्षेत्रों में उत्पादन

③ लिथियम उत्पादन के भू-राजनीतिक पहलू

(i) राजनीतिक दबाव का निर्माण
उदा.- चीन आपूर्ति श्रृंखला को दिखता अत: ऑस्ट्रेलिया के उत्पादन बाधित।

(ii) राष्ट्रीय हित को साधने का माध्यम
उदा.- ताइवान में अमेरिकी कूटनीति का पहलू

(iii) कूटनीतिक सौम्यता मिलने की संभावना
उदा.- कश्मीर क्षेत्र में 5.9 मिलियन टन के भंडार से भारत की संप्रभुता बढ़ेगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(iv) संघर्षों का कारण
[उदा.] - लिथियम त्रिकोण में चीन व अमेरिका की दृष्टि व निवेश

पर्यावरणीय प्रभाव

(i) खनन हेतु जल की अत्यधिक आवश्यकता
(ii) स्थानीय जैव विविधता व पादप विविधता में जैव संचयन व आवर्धन के कारण ह्रास की घटनाएँ
(iii) अवशिष्ट सामग्री की डंपिंग की समस्या।
(iv) जीवाश्म पर ऊर्जा पर निर्भरता अतः ग्लोबल वार्मिंग बढ़ेगी।

लिथियम प्रमुख अर्धचालक सामग्री है जो AI, सेमीकंडक्टर, IC व चिप निर्माण इत्यादि हेतु आवश्यक है। अतः इसका संधारणीय व मानव कल्याण में होना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

18. युवा वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को समाहित करने तथा अपने देशों के बाहर की घटनाओं और अनुभवों से जुड़ने में सक्षम हैं। इस संदर्भ में, युवा पहचान के विभिन्न पहलुओं पर वैश्वीकरण के प्रभाव की विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The youth are capable of identifying themselves with a global identity and connecting with events and experiences outside their countries. In this context, discuss the impact of globalization on the various aspects of youth identity. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

युवा को किसी भी राष्ट्र की प्राण शक्ति के रूप में माना जाता है और वर्तमान में भारतीय जनसंख्या का लगभग 50% से अधिक युवा वर्ग में शामिल है।

वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को समाहित करने में व जुड़ने में सक्षम

(i) पर्यावरण के मुद्दों पर फ्राइडे फॉर फ्यूचर के दौरान युवाओं का जुड़ना।

(ii) नस्लवाद के विरुद्ध जॉर्ज फ्लॉयड की अमेरिका में मृत्यु ने युवाओं को विरोध हेतु जोड़ा।

(iii) ईरान में महिलाओं की स्वतंत्रता हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं

का समर्थन मिला।

(4) अरब स्प्रिंग की घटनाओं ने भी वैश्विक ध्यान युवाओं की ओर आकर्षित किया।

(5) शिक्षा → तकनीकी व वैज्ञानिक
→ मूल्यों का अंतर्राष्ट्रीयकरण
→ वैश्विक नागरिकता।

युवा पहचान पर वैश्वीकरण के प्रभाव (सकारात्मक)

(1) व्यापक ज्ञान, संस्कृति, अनुभव प्राप्त करने का अवसर

(2) स्वतंत्रता व वैयक्तिकता को बढ़ावा मिला।

(3) व्यक्तिगत योग्यता की पहचान मिली

(4) सीमारहित वातावरण का अनुभव मिल रहा [उदा०] - यूरोजोन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नकारात्मक

(i) अपराधों के प्रति बढ़ती ज़ुर्मयता
(२) शोषण व हिंसा बढ़ी
(३) वैश्विक पहचान में स्थानीय मूल्यों का ह्रास
(४) साम्प्रदायिकता कम हुयी
(५)

आगे की राह

(i) वैश्वीकरण के साथ ही ~~ग्लोकलाइज़ेशन~~ 'Glocolatisation' को बढ़ावा दें
(ii) शिक्षा में तकनीक के साथ पारंपरिक मूल्य शामिल करना।

युवाओं की वैश्वीकृत विश्व में भूमिका बढ़ी है अत: G20 की युवा समिट जैसे प्रयास सराहनीय कदम रहे है।

19. जैसे-जैसे भारत में प्रजनन दर में गिरावट आ रही है, भविष्य की जनसांख्यिकीय चिंताएं वृद्धजनों की बढ़ती आबादी और एक कमजोर सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के आस-पास केंद्रित होती जा रही हैं। चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

As fertility rates decline in India, future demographic concerns center around an ageing population and a weak social security system. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रजनन दर किसी महिला के जीवन काल के दौरान जन्मे कुल बच्चों की संख्या होती है वर्तमान में भारत की TFR 2.0 है (NFHS-5)

वृद्धों की बढ़ती आबादी चिंता के रूप में:

1. भारतीय जनगणना, 2011 के अनुसार 9% आबादी वृद्ध तथा 2050 तक इसके 20% होने का अनुमान।
2. आजीविका व आय हेतु अन्य लोगों पर निर्भरता।
3. कार्यबल की कमी
4. स्वास्थ्य व देखभाल की आवश्यकता होगी
5. संयुक्त परिवार टूटे अतः वृद्धों-

जातकों की माँग बढ़ेगी।

(6) राजस्व का बड़ा अंश पेंशन वितरण में जाएगा।

(7) अनुत्पादक वर्ग की आबादी अधिक होगी।

कमजोर सामाजिक सुरक्षा प्रणाली

(i) वृद्ध आबादी का 70% ग्रामीण क्षेत्रों में जो स्वास्थ्य बीमा व सुविधा से वंचित।

(ii) 97% वृद्धों को स्वास्थ्य व देखभाल की आवश्यकता।

(iii) पेंशन का अभाव क्योंकि कार्यबल में अनौपचारिक कार्यबल अधिक।

(iv) राज्यों द्वारा लाभार्थी की उचित पहचान नहीं

उपाय

विधायी - माता-पिता व वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

के तहत वित्तीय सुरक्षा व आवास सुरक्षा प्रदान करना।

योजनागत प्रयास

(1) राष्ट्रीय वयोश्री योजना से आवश्यक उपकरणों व सहायता प्रणाली की व्यवस्था।

(2) आयुष्मान भारत - जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा।

(3) बजट के अंतर्गत आयकर में छूट का प्रावधान (80+ आयुवर्ग)

अन्य प्रयास

(i) सिल्वर इकोनॉमी को मान्यता प्रदान करना।

(ii) जागरूकता व तकनीकी हस्तक्षेप आवश्यक

वृहद आबादी ज्ञान व अनुभव का केन्द्र होती है अतः सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों के उत्थान में इनका उपयोग प्रासंगिक है तथा SDG-10 के अनुरूप है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

20. 2030 तक भारत की आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से के शहरी क्षेत्रों में निवास करने की उम्मीद है, ऐसे में शहरी गरीबों के कल्याण को लोक नीति के केंद्र में लाने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

With a significant proportion of India's population expected to live in urban areas by 2030, the welfare of the urban poor needs to take centre-stage in public policy. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जनगणना, 2011 के अनुसार 31% आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास करती है जिसके 2030 तक 40% तक बढ़ने की संभावना है।

शहरी गरीबों के कल्याण को लोक नीति के केंद्र में लाने की आवश्यकता के कारण :-

(i) जनसंख्या का बड़ा भाग ⇒ लगभग 17% शहरी जनसंख्या अत्यधिक गरीबी में।

(2) मलिन बस्तियों व झुग्गी झोपड़ियों में रहित जो गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार (अनु. 21) के प्रतिकूल)

(3) अपराध के केंद्र के रूप में →
जैसे नशाखोरी, तस्करी, चोरी
[उदा० → कुबड़-धारावी]

(4) प्रदूषण व अस्वास्थ्य करण जीवन
→ मलिन बस्ती
→ वायुहीन व छोटे मकानों में आबादी का संकेंद्रण

(5) → शहरी विकास में उनकी क्षमता का दोहन करना

(6) स्वास्थ्य व शिक्षा का निम्न स्तर

[उपाय: जो किए जाने होंगे]

विधायी → मनरेगा की तर्ज पर शहरी गरीबों हेतु अनिवार्य रोजगार का प्रावधान करना

[उदा० → राजस्थान सरकार द्वारा हालिया कानूनी प्रयास]

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

योजनागत व नीतिगत

+ स्पष्ट नीति निर्माण करना
+ pm आवास योजना में शहरी क्षेत्रों में घरों का निर्माण करना

[अन्य] → शिक्षा
↳ स्वास्थ्य
↳ कौशल- प्रशिक्षण
↳ क्षमता निर्माण।

शहर आर्थिक विकास के इंजन के रूप में जाने जाते हैं अतः समावेशी व संधारणीय विकास आबादी के सभी वर्गों के साथ किया जाना आवश्यक है।

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK